

ढाई लाख विद्यार्थी यूजी करते हुए निशुल्क कर सकेंगे इन्तू के 16 कोर्स

एजुकेशन रिपोर्ट | जयपुर

छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने पर होगा पूरा फोकस

ये कोर्सज होंगे शुरू

सरकारी कॉलेजों में यूजी करते हुए चार लाख विद्यार्थी इन्तू के 16 कोर्स (सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स) कर सकेंगे। ये कोर्सज अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्र-छात्राओं के अलावा सभी वर्ग की छात्राओं के लिए निशुल्क रहेंगे। चार लाख में से ढाई लाख विद्यार्थियों को ये कोर्स निशुल्क उपलब्ध होंगे, जबकि शेष डेढ़ लाख शुल्क चुकाकर ये कोर्स कर सकेंगे। हालांकि इन्तू और राज्य सरकार का दावा है कि बेहद कम फीस पर ये कराएं जाएंगे। इसकी शुरुआत इसी हफ्ते से सरकारी कॉलेजों में हुई है।

पंचायत राज संस्थान में मंगलवार को इन्तू व कॉलेज आयुक्तालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित बैठक में ये बातें तय हुईं। बैठक में मंत्री से लेकर सभी सरकारी कॉलेजों के प्राचार्य, इन्तू के कुलपति, हरार एजुकेशन के एसएस मौजूद रहे। उच्च शिक्षा मंत्री किरण महेस्वरी ने कहा कि कॉलेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान ही कौशल विकास के ऐसे खास कोर्सज करवाए जाएंगे, जिससे कि वे स्नातक होने पर आत्मनिर्भर बन सकें।



इसी से हरार एजुकेशन सिस्टम में और बेहतर आउटपुट आएगा। इन्तू के कुलपति प्रोफेसर रविन्द्र कुमार ने कहा कि देश में पहली बार राजस्थान में ऐसा अच्छा प्रयोग हो रहा है। इसके तहत कॉलेज शिक्षा विभाग, इन्तू की मदद से सभी सरकारी कॉलेजों में 16 ऐसे सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की शुरुआत कर रहा है, जिनको करने से न केवल छात्रों के लिए रोजगार की संभावना बढ़ेगी बल्कि उनमें उद्यमिता का विकास होगा। कार्यक्रम के दौरान सेटलाइट से चलने वाले ज्ञान सिरता की भी विधिवत रूप से शुरुआत की, इससे देश भर में कहीं भी छात्र ऑनलाइन शिक्षा ले सकेंगे।

सभी महाविद्यालयों में फूड एंड न्यूट्रिशन, कम्यूनिक्शन एंड आईटी स्किल्स, टूरिज्म स्टडी, आर्गनिक फार्मिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, बिजनेस स्किल्स, वाटर हार्वैस्टिंग, एनजीओ मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप, लैब टेक्नीक्स, बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग-फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, फूड सेफ्टी, वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स फ्रॉम फ्रूट एंड वेजीटेबल्स और इंफॉर्मेशन सिविलीरिटी जैसे कुछ अन्य कोर्सज में से छात्र किसी को भी चुन सकेंगे।